ठा मप्तुर













मी-वैम्बूग्भाय नभ

मीभर्ग-ग्रम्-मद्भग-रुगवश्वर-प्रभुगगउ-भुलाभाव-भवः -पी०भा म्-िक मु-िक भके ए-पी०भा रणम् १-मी-मद्भग्राट-भ्राभि-मीभ०-भंभूपनभा

॥पापठरा-ममी-भान-मस्-विणिः॥

र्षे पुरु-मुक्त-रमभी / ५०७१-विम्वाबम्-भिष्नभा ७७ (5.6.2025)

एषु भाभि भिउ पब धमभी जमुमंबुरा। करें इसम पापानि उभासी समकरा भूउ॥

भुग्न-भद्गलुः

म्राभनभा। मुक्ताभ्रा एरं + मानुष्य। प्राप्तायाः। उद्भिव लयं मुद्भिनं उद्भिव उपग्वलं छन् वलं उद्भिव। विम्हु वलं मैववलं उमेव लक्षी पर्रे सियुगं भूग भि॥

म्पविदः पविदे वा भन्नावभुगिरेऽपि वा। यः भू र प्रशीक वं भ म र र र र र म गिः॥ भानमं वाग्निकं पापं कर्मण मभ्पास्ति उभी। मीराभः भूरलप्त्रेव वृधेकि न भेमयः॥ मीराभ राभ राभ।

उिषि विभूमुषा वारी नव्हं विभू रिव छ। वेगमु करणं ग्रैव भन्नं विभूभवं एगडा॥ म्रिंग गेविन्गेविन्गेविन्। वे⊏-एग़ु-मप्-परिपालन-मङा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

एय एय मरूर

भभेपाइमभम्द्रिवत्वद्वा म्। प्रमिद्वा मृग्यि भिद्वा मृग्या हिवभाणम् भक्षा स्वी मृग्या विद्वाः नाग्याणम् म्। प्रमिव विद्वाः नाग्याणम् म्। प्रमिव विद्वाः नाया प्रमिव वि

यनेकप्षप्री-विगारिः -

मकल एग क्ष्यं पर चम्व या विनः रक्षणः मिडी यपर च पक्षण मान् मर्गः प्षम वर्षे प्षम वर्षे प्षम भागे प्षम पत्र प्षम मिवम मिक्ष मिडिय या में उडी ये भूछ है भ्राय भुव-भागे गिष्य उड़ भ-उग्य भ-र्गे वड-ग्राव पाण्य पद्म भन् प्रवाद प्रवा

विद्वावम् - नाभ-मंवद्वा उद्दुरावल वभन्न - एउँ व धरु-स्ट्रिष्ठ - भाम मुक्त - पर्वे समृतं मुर्ठिषे गुरुवाभर युक्तायां रुभु - नव इयुक्तायां भिम्न - वेग (• ७:०•; वृडीभाउ-वेग) युक्तायां डैंडिल - करण (०३:•३; गरू - करण) युक्तायां मिन्न पर्व-गुण-विमिक्षायाभा गर्मुं समृतं मुरुडिषे

यना रि-यविर्मु-वाभनया प्वर्भान यभिन्ना भक्ति मंभार यन् विधिर्माः कर्मगितिः विधिर्म्भ वैनिष् प्नःप्नः यनकण स्निङ्ग कना पि प्रश्कर्म विमिष्ण अरानी रून-भान्ष-म्विस्स्निष् विमेषं प्रथुवउः भभ –

एन् हुमा उ एन् प्रुडि एउङ्ग्णपद नं गालृ के भार ये व भप्त वयमि वा च ग ए एग् उ न्युप्त प्रुप्त क्षेत्र प्रिप्त क्षेत्र प्रुप्त क्षेत्र प्रिप्त क्षेत्र प्रिप्त क्षेत्र प्रिप्त क्षेत्र क्षेत्र प्रिप्त क्षेत्र क्षेत्र प्रिप्त क्षेत्र क्षेत्र

वॅम्-एम्-मप्-परिपालन-मरा

© 9884655618 💋 © 8072613857 💋 💟 vdspsabha@gmail.com 🔮 vdspsabha.org

रुर रुर मद्भर

गमुणन-मुम्पन-उपर्यावनम्मीनभा मपाइीकरण्यनं एडिइंमकरण्यं विकिउकम् रुग-निन्दिसभाग्रियण्यीनं ह्रनडः मन्त्रा नुडानाभा बह्रनडः बमन्त्रा नुडानं भविधा पापानां महः मपनेस्नार्त् -

भक्षाप्यश्चामभभुवैमिकम्बिउपादिणे भभ एउ स्मृन् नि ए न् नु रूप-भभ् रु-दिविण-क' विक-प्य दिविण-क' निक-दिविण-भ' नभ-छि-भुः न्रे कु-म्मिविण-पापनिगम-इविभुंमडा्-मड-पिड्सूग-बङ्गले का वाप्टाम्प्र-प्रलेप्ट्रां पापलग-ममभी-भलाप्षु-काल मानभलभा करिम्व

गर्म गर्मिं दे वे व्याद्य वेस्तानं महैंगि। भृगृउ भवपप्रे विभूलेकं म गम्बरि॥

नभे रुगवर् मिपापलगर्वे गङ्गवै नागवर् गवर् मिवावै मकावै मभुरावै विम्नुपिर नित्त्री उनभे नभः

"भवा त्रुप्रमु ममु ममुज्ञा-मानमु मङ्गुउवा ममु-प्मानं करि मृ" इडि मङ्गलू

नभः कभलनाराय नभमु एलमायिनै। नभमुज्यु कथीकैम गुरुप्पश्चं नभेज्यु उ॥

एलमा विन नभः उरम्भम्।

एकि भृद्र भक्रभूं में उँ एँगमें एग ३उँ। मन्कभ्य भे रुक्त गुरुल्लमुं नभे भु उ॥

मुद्ध व नभः उद्धभरा भी।

भक्तावल-एएएसुउँ तुमू उरुवउँ-भूगिप। वैस्न प्रिः गिङ्ग गुरुप्युं नभेषु उ॥

तुभ्रावेष्टे नभः उद्दभगुभी।

"भया क्रु-म्मरुग-भूगा क्षेत्र ययामिक मानभर्छ करि मृ" उठि मह्नल्य

वैर्य-एग्न-माभु-पिरिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

vdspsabha@gmail.com 😵 vdspsabha.org

रुर रुर मर्द्धर

म्म-विण-भाभानि

मम्बासभ्यामानं किंमा मैकिविणनः। परम्पेपमेक ए का विकं दिविएं भूउभा॥

पारुष्भन् उं मैव पैमुनं मैव भवमः। ममभुद्भप्लापम वाद्मयं मृम्मुउविराभा॥ परम्बृधिकप्रनं भनभा निस्तिरुनभा विउपाछिनिवम् भानमं दिविणं भूउभा॥

एउँर्मिविणः पापर्मस्यम्भुम्बैं। भृगृड नाउ भन् कः भट्टं भट्टं गम्राण्य॥

उम्बद्धाः नरकामा भेगमा मम प्रवाना ममावराना। वकुभाष्पिमं भुदं गङ्गण मुस्रया

—वस्तुरुमीपिका

॥गङ्गरमञ्जाभुउभा॥

र्फ़्रेक ग

नभः मिवच्च गङ्गचै मिवरच्चै नभे नभः। नभमु रुद्धिपट्ट माइट उनभे नभः॥०॥

नभमु विम्नुपिष्ट रक्तभू नमे नभः। मब्रह्मित्रुपिष्टै नभे र्हेषसभुरुचे॥३॥

भवम् भववृ णीनं रिभका - म् ह नभे भु उ। भुष्यरणङ्गभभभुउविषज्जु नभे नभः॥॥

हेगे पहेग राधि है हेग बहु नभे नभा भग्न किन्न नभमुज्यु भूजम्य चै नभे नभः॥॥

नभमृति कुषु च एगमू है नभे नभा नभिमुक्तमंभू चै उँ एवँ वर्डे नभे नभाषा

वॅ⊏-णग्न-माभ्-परिपालन-मङा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**



न नु चै लिङ्गण रिष्टै न र यह ने न सा

रुट्टै उ नभमुज्यु लेक ए हैं नभे नभः। नभमु विम्वभिश्च निन्तृ है है नभे नभः॥॥

प्रै मिकाभुराये हा भ्रम्य पर्य नभे नभः। माराचै प्र विशिच्चै वरमाचै नभे नभः॥॥ उभ् चै भाष दे ग्रू म मुझी विच्च नभे नभः। विक्रिष्ठ च वक्रमाच म्विउच्च नभे नभाजा

प्राप्तिकृत्ती सगद्भाव नभेत्रु उ भवापस् उपकाच भन्नलाच नभे नभः॥००॥

मरण्णउद्यीन रूपिर्रण्परायल भवभृगिष्ठ मिव नागविष्य नभेज्यु उ॥००॥

নিদ্লি থাই ম্লাড বু মহাই উন্দীন্দ। पराद्वरदर दुहु नभमु भेबद्द मदा।03॥

गङ्ग भभाग्उँ हुवा गङ्ग मे हित ५४उः। गङ्ग मे पाच्चवेरिक द्विव गङ्गिषु मे भिरिः॥०३॥

मुम्दे द्वभन्न भष्ट्र हा भन्ने द्वे गंग गर्ड मुहा इमेव भूलप्रुडिमुं कि नारायणः परः। गङ्ग द्वं परभाञ्च म मिवभुद्धं नभः मिव॥०६॥

य ७६ ५०६ भेंद्रं रुक्ता निट्टं नर्रे पि यः। म्व या सूम्या युकः का यवा क्ति रूमभू वैः॥०५॥

मण भंभिड़ेर्ी में भवैरे प्रमूड। भका द्वाभा नवा भेडि प्रु स्क्वालि ली बडाँ।०॥

📆 भाभि भिउँ पर्वे ८मभी जभुभंवुउः। उभृं ६मभृग्भेउम् भेंद्रं गङ्गस्ल भिद्रः॥०॥

वॅ़ म- ए र्-मा भु- परि पाल न- महा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

यः ५० मूम तुरुषु मिनि मे बारिप गाल्या भेऽपि उद्दलभाँभेडि गर्म मभुम्ह बङ्गडः॥०ऽ॥

मर्गनाभूपारानं लिभा ग्रैकाविणनउः। परम्पे पमेवा म का विकं दिवि एं भूउभा॥००॥

पारुधुभन् उं क्रैव पैसुनृ क्रापि महमः। मभभूप्लापम् वार्म्यं मृम्मुउविराभा॥३•॥

परम्बृधिरुप्तं भनमाः निश्लियुनभा। विउषा ि निवस भागमं दिविषं भूउभी॥३०॥

एउ नि एम पापानि का है भभ एकवि। म्मपापलग वभा ३भा म्मलग भ्या ॥३३॥

इयिभुंमसूउं प्रवाना पिरुन्म पिराभकाना। उम्राद्वेव मंभाराम् मुल्लान पुरिष्ठा॥३३॥ नभे रुगवर्ट्ट सम्पापलगाचै गङ्गचै नागावर्टी गवर्ट्ट मिव च र क च मभ उ च विम्नु पिष्ट निन् है उ नभे नभः॥

भिउभकरनि भद्गं? मुरुव कं दिने इं कर एउकलमे मृद्धे रुला भट्ट शिक्षा । विणिकिरिकारु भं मेन् के टीर ए सं किल उमिउँ म् कुलं रिक्वीं उं नभा भाउमा

मुम्पवामिपिउपभज्भृ निगभव्यपारपाउँ एलभा प्रमुद्भागमायिने रुगवडः **पार्टेर्ह्न पावनभा**। हुवः मभु एए विहु भणभिण ए के मु ठ में विवभा मेवी कल्मधनामिनी रुगवडी रुगीर मी म्रमुडा।३५॥

गङ्ग गङ्गिति वे स्वाभ्रेष्टनानं महैरिपा भूगृउँ भवपापिक विभूतिकं भ गम्ब्रिडा।३३॥ ॥ঙরি भुन् भन्न पुराल लिकामीति-मान्नभूं मंनिरायां रुडीय कामीपित् एम्राब्लिभ्र मीगक्षरमठरामुडिः मभुक्रा॥



वैर-एर्-माभु-परिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

